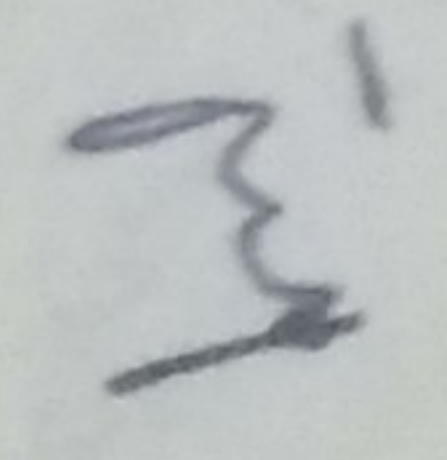
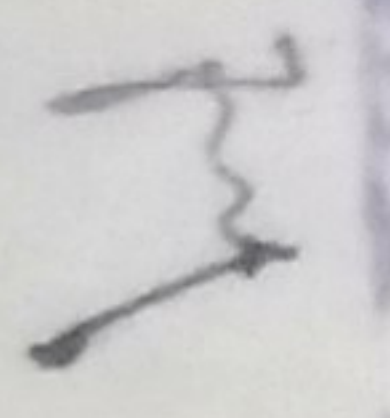


30-8
16

पेश किया. किन्तु साक्षिण पञ्जावली सिमा जाकर गहन वस्ती
प्राप्ति को ही गयी। ~~कमाल~~ व्यहक उपय पद कर का चालीही व्यह
~~उपय~~ उपय पद इनी गयी। वादक का देना हेतु पञ्जावली सिमा
30-8-16 से पेश-दा। 

पञ्जावली पेश इही वस्ती प्राप्ति उपस्थित। वस्ती प्राप्ति
ने व्यहक के दीवान प्रार्थन। पद में किञ्चित् तथ्य। इत्यादि
के माचार पर प्रार्थन। पद से रचीकार सिव जाते ही
इवनाइका ही। जहाँ ही सिपची ही होत है प्रस्तुत प्रार्थन।
पद से 29050 के जवाब के माचार पर प्रार्थन। पद से
। सिमा किञ्चित् जाते ही इत्यादि ही।

मैंने पञ्जावली का इवलोका किया. तथा व्यहक पर गहन
दिया गया। विवादिन द्वारा सिमा जात नापडिया
पद पर इना खान माक तहसील मोडम में सिमा
दा कर दाम हासिल नं. 1092/120 रकबा। कीया, 1100/85
रकबा। कीया कुल किया 2 रकबा 2 कीया (पहुंका)


सहायक कलक्टर को
उपस्थित अधिकारी को पत्र

510 नोया जाल, कश्मीर के डे के गान के डे के डी डिप्लोमा
नार्ड्स प्रत्युत जमावडी सी नराम मयम 2007/14 21044620 के 20

के डी डी. प्रथी के नोमाली नं. 85 रनका 4 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 120 रनका

1 दीका शक्ति नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

नोमाली डामा नोमाली नं. 85 रनका 1 दीका शक्ति

उपपरिष्ठ अधिकारी, मण्डल

विभागाध्यक्ष कलक्टर एवं

दिनांक

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

उपरोक्त दिने मने कानून पर प्रार्थी कर्ण प्रार्थना
पत्र की सिद्ध कराने के कर्तव्य में रहने के कारण प्रार्थना
पत्र खानीय दिना ज्ञाना उचित समझना है कि नमः

००, क्राइस ००

प्रार्थी कर्ण प्रार्थना पत्र कर्तव्य मारा 131

L.P. Act की सिद्ध कराने के कर्तव्य में रहने के कारण प्रार्थी

को प्रार्थना पत्र खानीय दिना ज्ञाना ही पत्रावली में मम

अथवा की ज्ञाना समझना कराने की

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी, माण्डला